भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

# भीलवाड़ा फोकस

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 01 | अंक - 357 | बिजौलिया - मंगलवार, 14 जुलाई 2026 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4 | WWW.BHILWARAFOCUS.COM

## राजस्थान में थमा माल परिवहन, ट्रांसपोर्टरों की बेमियादी हड़ताल से सप्लाई पर संकट

## VLTD, ई-डिटेक्शन चालान और परमिट व्यवस्था के विरोध में 10 हजार से अधिक ट्रक खड़े, सरकार से तत्काल समाधान की मांग

**भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।**

राजस्थान में माल परिवहन व्यवस्था सोमवार से बड़े संकट की ओर बढ़ती नजर आ रही है। व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (VLTD), ई-डिटेक्शन चालान और परमिट संबंधी समस्याओं को लेकर ट्रांसपोर्टरों ने रविवार रात 12 बजे से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। संघर्ष समिति के आह्वान पर प्रदेशभर में हजारों ट्रक सड़कों से गायब हो गए हैं। ट्रांसपोर्ट कारोबारियों का कहना है कि सरकार ने नियम तो लागू कर दिए, लेकिन उन्हें लागू करने के लिए जरूरी संसाधन उपलब्ध नहीं कराए। यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। हड़ताल के पहले दिन जयपुर, अलवर समेत कई जिलों में ट्रांसपोर्टरों ने प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ विरोध जताया। अलवर में रैली निकालकर बाजार बंद कराने का भी प्रयास किया गया। आंदोलन को प्रदेश के कई प्रमुख ट्रांसपोर्ट संगठनों का समर्थन मिलने से इसका दायरा और व्यापक हो गया है।



ट्रांसपोर्ट संगठनों का कहना है कि उनका विरोध सुरक्षा नियमों से नहीं, बल्कि उन व्यवस्थागत खामियों से है जिनकी वजह से वाहन मालिकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि प्रदेश में VLTD लगाने के लिए अधिकृत कंपनियों की संख्या बेहद कम है, जिससे समय पर डिवाइस उपलब्ध नहीं हो रही और हजारों वाहन परमिट व फिटनेस की प्रक्रिया पूरी नहीं कर पा रहे हैं।

संघर्ष समिति के अनुसार प्रदेश के लगभग 30 से 35 हजार ट्रक राजस्थान की सीमाओं के बाहर फंसे हुए हैं। यदि ये वाहन बिना निर्धारित प्रक्रिया पूरी किए राज्य में प्रवेश करते हैं तो ई-डिटेक्शन कैमरों के जरिए भारी-भरकम ऑनलाइन चालान जारी हो सकते हैं। इससे ट्रांसपोर्ट कारोबारियों में भारी असंतोष है। ट्रांसपोर्टरों ने यह भी आरोप लगाया कि डिवाइस की कमी का लाभ उठाकर कुछ अधिकृत एजेंसियां मनमानी कीमत वसूल रही हैं। जो डिवाइस पहले तीन हजार रुपये के आसपास उपलब्ध थी, उसके लिए अब 25 से 30 हजार रुपये तक वसूले जा रहे हैं। इससे छोटे और मध्यम ट्रांसपोर्टरों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। संघर्ष समिति ने सरकार से मांग की है कि अधिकृत वेंडर्स की संख्या बढ़ाई जाए, डिवाइस उचित दर पर उपलब्ध कराई जाए, परमिट और फिटनेस प्रक्रिया को सरल बनाया जाए तथा ई-डिटेक्शन चालान व्यवस्था में व्यावहारिक सुधार किए जाएं। उनका कहना है कि केवल अस्थायी परमिट (टीपी) जारी करने से समस्या का समाधान नहीं होगा, क्योंकि लंबी दूरी तक माल ढुलाई करने वाले वाहनों को कई राज्यों में अलग-अलग टैक्स और परमिट संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने सड़क सुरक्षा के तहत AIS-140 मानकों के अनुसार व्यावसायिक वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस अनिवार्य किया था। इसी के तहत राजस्थान में भी वर्ष 2022 से यह व्यवस्था लागू की गई। हालांकि ट्रांसपोर्ट संगठनों का कहना है कि पर्याप्त तैयारियों के बिना लागू किए गए नियमों के कारण पूरा परिवहन उद्योग संकट में आ गया है। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार के साथ शीघ्र वार्ता कर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो सीमेंट, स्टील, किराना, कृषि उपज सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर व्यापक असर पड़ सकता है और प्रदेश में माल परिवहन व्यवस्था लंबे समय तक बाधित रह सकती है।

## एमजी अस्पताल में प्रसूताओं की मौत पर कांग्रेस का हल्ला बोल, उच्च स्तरीय जांच व दोषियों पर कार्रवाई की मांग



**भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।**

**पुनित चपलोत**

महात्मा गांधी चिकित्सालय में हाल ही में कुछ दिनों के भीतर हुई प्रसूताओं की मौत के मामलों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) ने सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट पर विरोध दर्ज कराया। जिलाध्यक्ष शिवराम खटीक के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए पूरे मामले की उच्च स्तरीय, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ कठोर विभागीय और कानूनी कार्रवाई की मांग की। जिलाध्यक्ष शिवराम खटीक ने कहा कि लगातार हुई इन दुखद घटनाओं ने पूरे भीलवाड़ा जिले को झकझोर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि चिकित्सीय, प्रशासनिक या प्रबंधन स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों, चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मातृ स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में लापरवाही अस्वीकार्य है और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय होना जरूरी है।

ज्ञापन में कांग्रेस ने मृतक प्रसूताओं के परिजनों को उचित आर्थिक सहायता एवं न्याय दिलाने की मांग करते हुए अस्पताल की मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, ऑपरेशन थियेटर की व्यवस्था और चिकित्सा संसाधनों की तत्काल समीक्षा कर आवश्यक सुधार करने की बात कही। साथ ही चिकित्सकों, विशेषज्ञों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के रिक्त पद शीघ्र भरने, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कार्ययोजना लागू करने की मांग भी उठाई।

कांग्रेस ने कहा कि पूरे प्रकरण की जांच रिपोर्ट निर्धारित समय-सीमा में सार्वजनिक की जाए ताकि स्वास्थ्य व्यवस्था पर आमजन का विश्वास कायम रह सके। ज्ञापन सौंपने के दौरान कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## प्रसूताओं की मौत के बीच ‘मार्केटिंग’ पर मचा बवालः

## सिम्स अस्पताल को CMHO का नोटिस

## मार्केटिंग स्टाफ निलंबित, प्रबंधन ने मांगी माफी

**भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।**

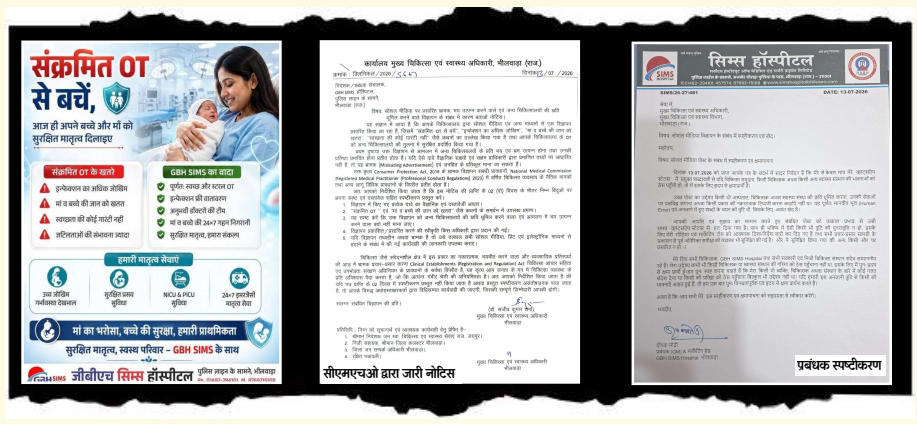

महात्मा गांधी चिकित्सालय में प्रसूताओं की मौत के बाद पूरे जिले में शोक और आक्रोश का माहौल है। इसी बीच निजी अस्पताल GBH SIMS Hospital द्वारा सोशल मीडिया पर किए गए एक प्रचार ने नया विवाद खड़ा कर दिया। अस्पताल पर आरोप है कि उसने संवेदनशील माहौल के बीच अपने ऑपरेशन थिएटर (OT) को सुरक्षित बताते हुए अन्य अस्पतालों पर अप्रत्यक्ष रूप से सवाल उठाने वाला प्रचार किया। मामला तूल पकड़ने के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) ने अस्पताल को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। वहीं अस्पताल प्रबंधन ने संबंधित पोस्ट हटाकर माफी मांग ली है और मार्केटिंग स्टाफ को निलंबित करने की जानकारी भी दी है। सीएमएचओ डॉ. संजीव कुमार शर्मा की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि अस्पताल द्वारा सोशल मीडिया पर प्रसारित विज्ञापन में ‘संक्रमित ह्ल्ञ से बचें ‘, ‘इन्फेक्शन का अधिक जोखिम ‘, ‘मां व बच्चे की जान को खतरा’ तथा ‘स्वच्छता की कोई गारंटी नहीं’ जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया। नोटिस के अनुसार इस तरह के दावे आमजन में अन्य चिकित्सालयों के प्रति भय और भ्रम पैदा करने के साथ उनकी प्रतिष्ठा को भी प्रभावित करते हैं।




नोटिस में अस्पताल से विज्ञापन में किए गए प्रत्येक दावे का वैज्ञानिक आधार, ‘संक्रमित OT’ और ‘मां व बच्चे की जान को खतरा’ जैसे दावों के प्रमाण, विज्ञापन को स्वीकृति देने वाले अधिकारी का नाम तथा सभी माध्यमों से विज्ञापन हटाने संबंधी जानकारी दो दिन में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सीएमएचओ ने अपने नोटिस में उल्लेख किया है कि चिकित्सा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में इस प्रकार का प्रचार उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम-2019, नेशनल मेडिकल कमीशन (Professional Conduct Regulations-2023) तथा अन्य लागू प्रावधानों के विपरीत प्रतीत होता है। ऐसे विज्ञापन आम जनता के मन में चिकित्सा व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा कर सकते हैं।

### विवाद बढ़ा तो अस्पताल ने हटाई पोस्ट, मांगी माफी

मामले के तूल पकड़ने के बाद जीबीएच सिम्स हॉस्पिटल के महाप्रबंधक एवं मार्केटिंग हेड दीपक मोदी ने सीएमएचओ को लिखित स्पष्टीकरण भेजा। उन्होंने कहा कि व्हाट्सएप स्टेटस में प्रयुक्त शब्दावली से यदि किसी चिकित्सक, अस्पताल अथवा चिकित्सा समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं तो इसके लिए वे हृदय से क्षमा प्रार्थी हैं।

प्रबंधन ने अपने जवाब में कहा कि पोस्ट का उद्देश्य किसी भी सरकारी या निजी अस्पताल की छवि धूमिल करना नहीं था, बल्कि यह मानवीय भूल थी। आपत्ति मिलते ही संबंधित पोस्ट तत्काल हटा दी गई और भविष्य में ऐसी गलती दोबारा न हो, इसके लिए प्रचार सामग्री के प्रकाशन से पहले अतिरिक्त समीक्षा की व्यवस्था लागू कर दी गई है।

### मार्केटिंग स्टाफ निलंबित

अस्पताल प्रबंधन ने यह भी स्पष्ट किया कि विवादित पोस्ट को लेकर जिम्मेदार मार्केटिंग स्टाफ को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही मीडिया एवं मार्केटिंग टीम को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं कि भविष्य में किसी भी प्रचार सामग्री को प्रकाशित करने से पहले उसकी पूरी तरह समीक्षा की जाएगी, ताकि इस प्रकार की स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो। अब पूरे मामले में स्वास्थ्य विभाग की अगली कार्रवाई पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि अस्पताल के स्पष्टीकरण को स्वीकार किया जाता है या फिर नोटिस के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाती है।

## सितंबर से नवंबर के बीच हो सकते हैं पंचायत-निकाय चुनाव

### हाईकोर्ट में सरकार ने मांगा और समय, ओबीसी आरक्षण रिपोर्ट का हवाला; निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया के लिए 90 दिन बताए जरूरी

**भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।**

राजस्थान में लंबे समय से लंबित पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव अब सितंबर से नवंबर के बीच कराए जाने की संभावना है। इस संबंध में संकेत हाईकोर्ट में राज्य सरकार की ओर से दायर प्रार्थना पत्र से मिले हैं। सरकार ने अदालत से 31 जुलाई तक चुनाव कराने की निर्धारित समय-सीमा बढ़ाने का आग्रह करते हुए कहा है कि ओबीसी राजनीतिक आरक्षण पर अंतिम रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है। ऐसे में वर्तमान परिस्थितियों में चुनाव कराना व्यावहारिक नहीं होगा।

सरकार ने अपने जवाब में हाईकोर्ट को बताया कि ओबीसी आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग के साथ लगातार पत्राचार किया जा रहा है, लेकिन अब तक आयोग की अंतिम रिपोर्ट नहीं मिली है। सरकार का कहना है कि प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की आबादी लगभग 50 प्रतिशत है। ऐसे में राजनीतिक आरक्षण तय किए बिना चुनाव कराना उचित नहीं होगा और इससे भविष्य में कानूनी विवाद भी उत्पन्न हो सकते हैं।

सरकार ने राज्य निर्वाचन आयोग के पत्र का हवाला देते हुए बताया कि आरक्षण संबंधी अंतिम जानकारी मिलने के बाद चुनाव कराने की पूरी प्रक्रिया पूरी करने में आयोग को लगभग 90 दिन का समय चाहिए। आयोग ने नगरीय निकाय चुनाव दो चरणों में कराने के लिए 40 दिन तथा पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव चार चरणों में संपन्न कराने के लिए 50



दिन का समय आवश्यक बताया है। सरकारी जवाब के अनुसार यदि अगस्त के अंत तक आरक्षण से संबंधित सभी आंकड़े निर्वाचन आयोग को उपलब्ध करा दिए जाते हैं तो आयोग सितंबर से नवंबर के बीच पंचायत और निकाय चुनाव कराने की स्थिति में होगा।

गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट ने इससे पहले राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग को 15 अप्रैल तक पंचायत और निकाय चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। बाद में सरकार और आयोग के अनुरोध पर अदालत ने समय बढ़ाते हुए 31 जुलाई तक हर हाल में चुनाव कराने का आदेश दिया था। साथ ही ओबीसी आयोग को 20 जून तक अपनी रिपोर्ट सौंपने के निर्देश भी दिए गए थे।

निर्धारित समय-सीमा के बावजूद चुनाव प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ने पर पूर्व विधायक संयम लोढ़ा और गिर्राज सिंह देवंदा ने राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की है। इस मामले में मंगलवार को राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ सुनवाई करेगी। माना जा रहा है कि इस सुनवाई के बाद चुनाव कार्यक्रम को लेकर स्थिति और अधिक स्पष्ट हो सकती है।

## 30 साल पुराना राजस्व विवाद सुलझा, ग्रामीण सेवा शिविर में मौके पर मिला खातेदारी अधिकार

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

उपखंड क्षेत्र की मांगटला ग्राम पंचायत में सोमवार को आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में विभिन्न विभागों ने ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया। शिविर की सबसे बड़ी उपलब्धि करीब 30 वर्ष से लंबित एक गैर खातेदारी प्रकरण का निस्तारण रहा, जिसमें पात्र व्यक्ति को खातेदारी अधिकार प्रदान किए गए। वर्षों पुरानी समस्या के समाधान पर लाभार्थी ने राज्य सरकार एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

शिविर में 22 विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों ने भाग लेकर आमजन की समस्याएं सुनीं तथा विभिन्न प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया। पंचायत राज विभाग ने स्वामित्व संबंधी कार्यों के साथ 4 पट्टों एवं व्यक्तिगत शौचालय निर्माण के 6 आवेदन तैयार किए।

वहीं राजस्व विभाग ने आपसी सहमति से एक बंटवारा, दो नाम शुद्धिकरण, एक रास्ता खुलासा, एक सीमाज्ञान एवं पत्थरगढ़ी तथा 14 नामांतरण प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया। शिविर के बाद भी विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित मामलों के समाधान की प्रक्रिया जारी रही।

शिविर प्रभारी एवं विकास अधिकारी अशेष शर्मा के निर्देशन में आयोजित शिविर में प्रशासक गणेश लाल बलाई, सहायक शिविर प्रभारी सुरेश शर्मा, ग्राम विकास अधिकारी खुशराज मीणा, कनिष्ठ सहायक रामकिशन गुर्जर, विधायक प्रतिनिधि भंवरलाल तेली, मांगीलाल बलाई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## सरकार की ट्रांसपोर्ट विरोधी नीतियों के खिलाफः भीलवाड़ा ट्रांसपोर्ट नगर रहा पूरी तरह बंद, 3.5 करोड़ का कारोबार प्रभावित

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

पुनित चपलोत

सरकार की ट्रांसपोर्ट विरोधी नीतियों के खिलाफ राजस्थान ट्रांसपोर्ट संघर्ष समिति के आह्वान पर सोमवार को प्रदेशव्यापी चक्का जाम का भीलवाड़ा में व्यापक असर देखने को मिला। ट्रांसपोर्ट नगर दिनभर पूरी तरह बंद रहा। माल की बुकिंग, डिलीवरी और परिवहन गतिविधियां पूरी तरह ठप रहीं। बाहर से पहुंचे वाहनों को भी संघर्ष समिति की अनुमति के बाद ही खाली कराया गया।

संघर्ष समिति के अध्यक्ष विश्वबंधु सिंह राठौड़ ने बताया कि बंद के कारण केवल भीलवाड़ा में करीब 3.5 करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित हुआ। जिले में लगभग 2500 से 3000 मालवाहक वाहन खड़े रहे, जबकि ट्रांसपोर्ट नगर में 800 से 1000 वाहन दिनभर नहीं चले। इससे ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़े 1000 से 2000 टेंपो चालक, हम्माल, लेबर और अन्य श्रमिकों की आजीविका भी प्रभावित हुई।

समिति के सचिव अरिहंत जैन ने बताया कि यदि राज्य सरकार ट्रांसपोर्टरों की मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेकर वार्ता शुरू नहीं करती है तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इसके तहत खनन क्षेत्रों, औद्योगिक इकाइयों, फैक्ट्रियों और अन्य लोडिंग प्वाइंट्स पर जाकर व्यापारियों और उद्योगपतियों से सहयोग मांगा जाएगा तथा माल की लोडिंग नहीं करने की अपील की जाएगी।

उन्होंने बताया कि आंदोलन को प्रभावी बनाने के लिए 8 गश्ती दल गठित किए गए हैं, जो मंगलवार से शहर और आसपास के क्षेत्रों में निरीक्षण करेंगे। आंदोलन की अवहेलना करने वालों के खिलाफ संगठनात्मक कार्रवाई और आर्थिक दंड का भी निर्णय लिया गया है।

कोषाध्यक्ष राहुल कटारिया ने दावा किया कि पूरे राजस्थान में चक्का जाम का पहला दिन ऐतिहासिक और सफल रहा। उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्टर अपने अधिकारों और सम्मान की लड़ाई के लिए एकजुट हुए हैं।

समिति ने आंदोलन को मिले व्यापारियों, उद्योगपतियों, वाहन मालिकों, श्रमिकों और आमजन के समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए सरकार से शीघ्र वार्ता कर मांगों का समाधान करने की मांग की।

## जिला अस्पताल में प्रसूता की मौत पर जीनगर समाज का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कार्रवाई और सरकारी नौकरी की मांग

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

पुनित चपलोत

महात्मा गांधी अस्पताल की मातृ एवं शिशु इकाई में प्रसूता की मौत के बाद जीनगर समाज में भारी आक्रोश है। समाज के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करके मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होने मामले की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की रखी है। जीनगर समाज के प्रतिनिधि गौरव जीनगर ने कहा कि पोटला निवासी संगीता जीनगर को गर्भावस्था के दौरान परिजन महात्मा गांधी चिकित्सालय लेकर पहुंचे मगर यहां कई घंटों तक उसे भर्ती ही नहीं किया गया। बाद में एक जनप्रतिनिधि के हस्तक्षेप से प्रसूता को अस्पताल में भर्ती किया गया। इसके बाद भी चिकित्सकों ने परिवार पर ऑपरेशन के लिए दबाव बनाया। परिजनों की सहमति के बाद ऑपरेशन किया गया। उसके बाद संगीता की हालत बिगड़ती चली गई और उसकी मौत हो गई। जीनगर समाज आज संगीता को न्याय दिलाने के लिए एकजुट है। समाज ने चिकित्सा मंत्री से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने, जिम्मेदार चिकित्सकों और अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। इस मामले में यदी समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो जीनगर समाज प्रदेश स्तर पर आंदोलन करेगा। मृतका प्रसूता की ननद शानू जीनगर ने कहा कि मेरी भाभी संगीता को अस्पताल लाने के बाद समय पर उपचार नहीं मिला। पहले ऑपरेशन के बाद बच्चेदानी का दूसरा ऑपरेशन किया गया। इसके बावजूद उसे होश नहीं आया। हमने रेफर करने की बात कही गई मगर कई घंटे तक प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। हमारी मांग है कि हमारे परिवार को उचित मुआवजा, न्याय और सरकारी नौकरी दी जाएं। जिससे की मृतका के बच्चों का लालन-पोषण और परिवार की देखभाल हो सके।

## भीलवाड़ा में सर्व समाज ने भरी हुंकार, जनहित के संकल्प के साथ 'श्री राष्ट्रीय करणी सेना मेवाड़' का हुआ शंखनाद

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

पुनित चपलोत

अजमेर-चित्तौड़गढ़ हाईवे स्थित हाथी भाटा आश्रम में सामाजिक कार्यकर्ता बबलू सिंह ठुमिया के नेतृत्व में सर्व समाज की ऐतिहासिक बैठक आयोजित हुई। बैठक में मेवाड़ क्षेत्र के समाजसेवी, युवा, करणी सैनिक और विभिन्न समाजों के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दौरान समाजहित के विभिन्न मुद्दों पर मंथन करते हुए श्री राष्ट्रीय करणी सेना मेवाड़ के गठन की घोषणा की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ हाथी भाटा आश्रम के महंत संत दास जी महाराज एवं कठिया वाले बाबा बनवारी शरण जी महाराज के सानिध्य में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। संतों ने सामाजिक एकता, सेवा, संस्कार और राष्ट्रहित को सर्वोपरि बताते हुए संगठित होकर समाज उत्थान के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

बैठक को संबोधित करते हुए बबलू सिंह ठुमिया ने कहा कि समाजहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सर्व समाज को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में गौसेवा, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, युवाओं के मार्गदर्शन, सामाजिक जागरूकता और जनकल्याण जैसे विषयों पर व्यापक स्तर पर अभियान चलाए जाएंगे। साथ ही समाज के हर वर्ग के सुझावों के आधार पर कार्ययोजना तैयार कर जनहित के कार्यों को गति दी जाएगी।

बैठक में उपस्थित समाजजनों ने सामाजिक समरसता, संगठन की मजबूती और नई पीढ़ी को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने पर जोर दिया। सभी ने मिलकर समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर हमीरगढ़ राव हर्ष प्रदीप सिंह, हुरड़ा प्रधान कृष्ण सिंह, चित्तौड़गढ़ प्रधान देवेंद्र कंवर, कल्पना कंवर राठौड़ (शाहपुरा), वीरेंद्र सिंह सोलंकी, सरला कंवर, गजेंद्र सिंह अमरगढ़, गोविंद कंवर सहित बड़ी संख्या में करणी सैनिक, समाजसेवी एवं सर्व समाज के लोग उपस्थित रहे।

## वक्फ संपत्ति पर कथित कब्जे और धार्मिक सामग्री के अपमान का आरोप, आम मुस्लिम समाज ने निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

पुनित चपलोत

वक्फ संपत्ति 'सुल्तान शाह की बावड़ी' से जुड़े विवाद को लेकर सोमवार को मुस्लिम समाज और मुस्लिम सद्भाव सेवा समिति ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन जामा मस्जिद के इमाम मौलाना हाफिजुर रहमान की सदारत में सौंपा गया, जिसमें शहर की विभिन्न मस्जिदों के इमामों सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि शाहपुरा स्थित वक्फ संपत्ति को लेकर माननीय न्यायालय ने 16 फरवरी 2026 को स्थायी निषेधाज्ञा जारी करते हुए संपत्ति के उपयोग, धार्मिक गतिविधियों और आवागमन में किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप पर रोक लगाई थी। इसके बावजूद नगर पालिका द्वारा कथित रूप से वक्फ संपत्ति पर तारबंदी कर कब्जा कर लिया गया, जिससे न्यायालय के आदेश की अवहेलना हुई और धार्मिक गतिविधियों के साथ आमजन के आवागमन में भी बाधा उत्पन्न हुई।

समिति ने यह भी आरोप लगाया कि दरगाह और मजार से संबंधित धार्मिक सामग्री तथा पवित्र कुरआन शरीफ की आयतों वाली चादरों को डंपिंग यार्ड में फेंक दिया गया, जिससे मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इस घटना को लेकर समाज में गहरा रोष व्याप्त है।

ज्ञापन में प्रशासन से पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने, न्यायालय के आदेश की अवहेलना तथा धार्मिक सामग्री के कथित अपमान के जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय व कानूनी कार्रवाई करने तथा भविष्य में वक्फ संपत्तियों और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की गई।

इस दौरान मुस्लिम सद्भाव सेवा समिति के सदर शरीफ खान पठान, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता याकुब खान, हमीद रंगरेज, सलामुद्दीन पठान, सैयद शराफत अली, ताज मोहम्मद एडवोकेट सहित समिति के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

## वार्ड 24 की जर्जर सराय बनी खतरे की घंटी, मोहल्लेवासियों ने निगम आयुक्त से लगाई गुहार

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

पुनित चपलोत

शहर के वार्ड नंबर 24 स्थित कुचबन्दा समाज मोहल्ले में माता महारानी मंदिर के पास नगर निगम की वर्षों पुरानी सराय जर्जर हालत में पहुंच गई है। छत और दीवारों की स्थिति बेहद खराब होने से स्थानीय लोगों और मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर सोमवार को नगर अध्यक्ष भूपेन्द्र (कुनाल) गोरण के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों ने नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर सराय का तत्काल निरीक्षण करवाते हुए पुनर्निर्माण अथवा मरम्मत कराने की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि रखरखाव के अभाव में सराय की छत खोखली हो चुकी है तथा दीवारों का प्लास्टर लगातार गिर रहा है। यह सराय घनी आबादी वाले क्षेत्र और माता महारानी मंदिर के समीप होने से यहां दिनभर लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में भवन के कभी भी ढहने से बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।

क्षेत्रवासियों ने निगम प्रशासन से जनहित को देखते हुए तत्काल कार्रवाई करने और किसी भी संभावित दुर्घटना से पहले सराय को सुरक्षित बनाने की मांग की। ज्ञापन सौंपने के दौरान शुभम गोरण, सोनू चावरिया, रोहित आदिवाल, राज घावरी, राजवीर कुचबन्दा, सौरभ, नरेश, अमल, विक्रम, विक्की, मनीष, अक्षय, ध्रुव, गौरव कुचबन्दा सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे।

QUICK BITES

## बाबा हरिराम साहब का 79वां वार्षिक वर्सी उत्सव 14 से, चार दिन होंगे धार्मिक आयोजन

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

सतगुरु बाबा हरिराम साहिब

सतगुरु बाबा गंगाराम साहिब

मूलचन्द पेसवानी

हरि सेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर के आराध्य सतगुरु बाबा हरिराम साहब जी का 79वां वार्षिक वर्सी उत्सव मंगलवार 14 जुलाई से श्रद्धा, भक्ति एवं धार्मिक उल्लास के साथ शुरू होगा। चार दिवसीय आयोजन 17 जुलाई तक चलेगा, जिसमें देश-विदेश से संत-महात्मा एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे।

उत्सव की तैयारियों को लेकर आश्रम में सेवादारों की बैठक आयोजित की गई। संत गोविंदराम ने बताया कि आयोजन की व्यवस्थाओं के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर सेवादारों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने सेवा और सुमिरन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी से आयोजन को सफल बनाने के लिए सेवा भाव से जुड़ने का आह्वान किया। बैठक में संत मायाराम, संत ईशानराम, संत सुयज्ञराम, संत केशवराम, हीरालाल गुरनानी, अंबालाल ननकानी, ईश्वर आसनानी, हेमंत भोजवानी, विरुमल पुरूसानी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के तहत 14 जुलाई को श्री श्रीचंद्र सिद्धांत सागर का अखंड पाठ प्रारंभ होगा। अग्नि पूजन एवं अन्नपूर्णा पूजा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न होगी। 15 जुलाई को बाबा हरिराम साहब जी तथा 17 जुलाई को बाबा गंगाराम साहब जी की वार्षिक वर्सी श्रद्धापूर्वक मनाई जाएगी।

उत्सव के दौरान दरबार साहब, आसण साहब, धूणा साहब, सतगुरुओं की समाधियों तथा श्री हरि सिद्धेश्वर मंदिर यज्ञशाला में पूजन-अर्चन, यज्ञ, हवन, सत्संग एवं प्रवचन होंगे। अन्न क्षेत्र में संत-महात्माओं, विप्रजनों एवं श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था रहेगी। उदासीन निर्वाण संत मंडल सहित विभिन्न आश्रमों के संत आयोजन में शामिल होकर श्रद्धालुओं को दर्शन एवं आशीर्वचन प्रदान करेंगे।

## बेरीसाल व जरेली में दिव्यांगजनों के लिए विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं तालुका विधिक सेवा समिति की अध्यक्ष न्यायिक मजिस्ट्रेट रूपल अग्रवाल के निर्देशन में ग्राम बेरीसाल एवं जरेली में दिव्यांगजनों के लिए विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पीएलवी रामबाबू माथुर एवं पीएलवी अंजली नायक ने दिव्यांगजनों को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता , सरकारी योजनाओं, दिव्यांग पेंशन, शिक्षा, रोजगार, समान अवसर तथा भेदभाव से संरक्षण संबंधी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य दिव्यांगजनों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में छोटू सिंह यादव, राधेश्याम धाकड़, सत्यनारायण मीणा, भूपेंद्र यादव, नीरज मीणा, प्रहलाद बंजारा, घीसूजी मीणा, सोनू रावत, मीना देवी, कांति देवी, विमला देवी, विद्या देवी, अनीता देवी, अंजू देवी, लीला देवी, रमा देवी, पिंकी देवी, कविता, संगीता देवी, सीमा देवी, पूनम देवी, काजल देवी, मंजू देवी, कांता देवी, रोशनी देवी, रीना देवी सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

# ‘एक शिक्षक-एक वृक्ष’ अभियान के तहत महाविद्यालय परिसर में हुआ पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मूलचंद पेसवानी

पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने के उद्देश्य से अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (उच्च शिक्षा) राजस्थान की शाहपुरा इकाई के तत्वावधान में सोमवार को श्री प्रताप सिंह बारहठ राजकीय महाविद्यालय परिसर में ‘एक शिक्षक-एक वृक्ष’ अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने पौधारोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सहक्षेत्र कार्यवाह गेंदालाल रहे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रत्येक शिक्षक यदि एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का दायित्व निभाए तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल ऑक्सीजन ही नहीं, बल्कि जल संरक्षण, जैव विविधता और स्वस्थ जीवन का भी आधार हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य एवं राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला अध्यक्ष डॉ. पुष्कर राज मीणा ने की। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की भूमिका केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा देना भी उनका दायित्व है। उन्होंने प्रत्येक शिक्षक और विद्यार्थी से कम से कम एक पौधे को वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखने का आह्वान किया।

इससे पूर्व अतिथियों ने अमर क्रांतिकारी कुंवर प्रताप सिंह बारहठ की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद महाविद्यालय परिसर में औषधीय एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प भी लिया।

इस अवसर पर विभाग प्रचारक दीपक एवं जिला प्रचारक केशव ने भारतीय संस्कृति में वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पर्यावरण संरक्षण को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में सह प्रचार प्रमुख धर्मनारायण वैष्णव, महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार डॉ. रंजीत जगरिया ने व्यक्त किया।

# रंगों में सजा मानसून का जादू, बच्चों और युवाओं ने कैनवास पर उकेरे सपने

## दीपिका आर्ट अकादमी एवं नेशनल आर्टिस्ट एसोसिएशन का आयोजन

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

बारिश की फुहारों, हरियाली की छटा और प्रकृति के मनमोहक रंगों को अपनी कल्पनाओं के साथ कैनवास पर उकेरते हुए बच्चों और युवाओं ने ‘मानसून आर्ट कॉन्टेस्ट-2026’ में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। दीपिका आर्ट अकादमी एवं नेशनल आर्टिस्ट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में शास्त्रीनगर स्थित अकादमी सेंटर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में रचनात्मकता और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला।

आयोजक दीपिका पाराशर ने बताया कि प्रतियोगिता में 61 प्रतिभागियों ने भाग लिया। बच्चों और युवाओं ने मानसून की सुंदरता, पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण जीवन, वर्षा ऋतु के आनंद और प्रकृति के विविध स्वरूपों को चित्रों के माध्यम से बेहद आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों की कल्पनाशीलता और रंगों के सुंदर संयोजन ने उपस्थित सभी लोगों को प्रभावित किया।प्रतियोगिता को तीन आयु वर्गों में आयोजित किया गया। ग्रुप ए में कक्षा 3 से 5, ग्रुप बी में कक्षा 6 से 8 तथा ग्रुप सी में कक्षा 9 से 12 एवं कॉलेज वर्ग के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी वर्गों में प्रतिभागियों के बीच उत्साह और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल देखने को मिला।

दीपिका पाराशर ने बताया कि प्रतियोगिता के परिणाम 18 जुलाई को घोषित किए जाएंगे। प्रत्येक वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को सम्मानित कर उनकी रचनात्मक प्रतिभा का उत्साहवर्द्धन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों और युवाओं को अपनी कला प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करते हैं तथा उनमें सृजनात्मक सोच और आत्मविश्वास का विकास करते हैं। प्रतियोगिता ने यह साबित कर दिया कि भीलवाड़ा की युवा पीढ़ी कला के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने का दम रखती है।

### ये रहे प्रतिभागी

युवराज तिवारी, पूर्वाशी गुर्जर, ईरा ईनानी, अविका तातेड़, लारिया दास, ईशी ईनानी, नंदिनी सोनी, पार्थ नंदवानी, आशवी बल्दवा, रिद्धी रांका, धृति गर्ग, आशिता काबरा, आराध्या काठेड़, श्रुति सोनी, पिनल चपलोत, लक्की धोबी, याशिका अग्रवाल, पवी जैन, कियार्थ सोमानी, रिद्धि रांका, तनु धोबी, अन्वेशा सोनी, गुन्जन बहेड़िया, काव्या तनवानी, नव्या जैन, विधि नरूका, खुशी कंवर, भव्य शर्मा, पार्थ चपलोत, मोहम्मद छीपा, देव कृष्णा शर्मा, कृष्णा कुमारी शर्मा, आराध्या शर्मा, दीपाली राणावत, याशिका गुरावा, यश बैरागी, मिताली बैरवा, अनिरूद्ध जाट, चंचल पंवार, सुरभि पारीक, वेदांश तिवारी, उमेमा आदिल, अमोली जैन, आराध्या चैधरी, मनीष कोली, जया कोली, सानिया खान एवं एफ्रिन खान, दिशा नथरानी, विन्ती जैन, ख्याति सामरिया, विधि जैन, काज प्रजापत, चिराग प्रजापत, विश्वजीत, श्रुति लाठी समेत अन्य शामिल रहे।

विशेष निर्णायक (जज) ,अतुल पडिया (बड़ौदा), प्रभुदा घोष (कोलकाता) थे।

## स्व. सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की जयंती पर करणी सेना ने किया नमन, समाज सेवा का लिया संकल्प

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना द्वारा सनातन रक्षक स्वर्गीय सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की जयंती जिलेभर में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों पर चलते हुए समाज और सनातन संस्कृति की सेवा का संकल्प लिया।श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के प्रदेश सचिव महिपाल सिंह केलवाद ने बताया कि भीलवाड़ा जिला इकाई के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष धनराज सिंह अमर्तिया ने केक काटकर स्व. गोगामेड़ी की जयंती मनाई। कार्यक्रम की शुरुआत उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने एवं दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष धनराज सिंह अमर्तिया ने कहा कि स्व. सुखदेव सिंह गोगामेड़ी ने समाज, राष्ट्र और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनके संघर्ष, साहस और समाजहित में किए गए कार्य सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। उन्होंने कहा कि गोगामेड़ी समाज की अस्मिता, स्वाभिमान और अधिकारों की बुलंद आवाज थे।

कार्यक्रम में संगठन की मजबूती, सामाजिक समरसता और समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने समाज में एकता, भाईचारा एवं सेवा भावना को आगे बढ़ाने तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर हेमेंद्र सिंह काछोला, अवतार सिंह कोयल, वीरेंद्र सिंह गुलगांव, दशरथ सिंह बिलिया, राजेंद्र सिंह गुर्जरवाड़ा, पायलट बना पाण्डरु, दशरथ सिंह नरूका (शंकरपुरा), लाल सिंह हरणी, महेंद्र सिंह जगपुरा, कर्ण सिंह झाला, भैरू सिंह समोडी, चंदू बना जावलिया खेड़ा सहित बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## पेयजल, बिजली और सफाई व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, अधिकारियों को कलेक्टर के सख्त निर्देश

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

जिले में पेयजल, बिजली और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए सोमवार को जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पीएचईडी, एवीवीएनएल और नगर निगम के अधिकारियों को आवश्यक सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने तथा आमजन को समय पर राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

जिला कलेक्टर ने पीएचईडी अधिकारियों को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नियमित और समयबद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही खराब हैंडपंपों एवं ट्यूबवेलों की मरम्मत कार्य में तेजी लाने को कहा, ताकि बारिश के मौसम में भी पेयजल व्यवस्था प्रभावित न हो।

बैठक में एवीवीएनएल अधिकारियों को संपर्क पोर्टल पर दर्ज लंबित एवं उच्च प्राथमिकता वाली शिकायतों का शीघ्र निस्तारण करने तथा जिले में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

नगर निगम को शहर में गुणवत्तापूर्ण साफ-सफाई सुनिश्चित करने के साथ ही बारिश के दौरान जलभराव वाले क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। जिला कलेक्टर ने कहा कि नालों एवं ड्रेनेज सिस्टम की समय पर सफाई कराई जाए तथा जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

जिला कलेक्टर संधू ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और आमजन को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता रखें।

बैठक में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता धनपत राज सोनी, परियोजना अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार गर्ग, अधिशासी अभियंता मयंक शर्मा, परियोजना के अधिशासी अभियंता सहित विभागीय अधिकारी तथा एवीवीएनएल के अधीक्षण अभियंता श्री खटोड़ एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# राष्ट्रीय साहू महासम्मेलन की तैयारियों को लेकर भीलवाड़ा में मंथन, 500 से अधिक पदाधिकारी जुटे

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

राजस्थान प्रांतीय तैलीक साहू महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक रविवार को हरिशेवाधाम में आयोजित हुई। प्रदेशभर से आए 500 से अधिक पदाधिकारियों, समाजसेवियों एवं प्रबुद्धजनों की मौजूदगी में आगामी राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक एवं जनचेतना महासम्मेलन की तैयारियों पर व्यापक मंथन किया गया। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, शिक्षा के प्रसार, युवा नेतृत्व, महिला सशक्तीकरण और सामाजिक एकता को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय एवं सुझाव सामने आए।

बैठक का शुभारंभ महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम महाराज ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने समाज की एकता, संस्कार और संगठन को उसकी सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए शिक्षा और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

अखिल भारतीय तैलीक साहू महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष टी.सी. चौधरी ने कहा कि भीलवाड़ा में प्रस्तावित राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक पूरे देश के साहू समाज को नई दिशा देने का कार्य करेगी। प्रदेशाध्यक्ष देवीलाल साहू ने संगठन विस्तार अभियान की जानकारी देते हुए समाज को शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। प्रदेश महामंत्री आत्माराम लाईवाल ने आगामी राष्ट्रीय महासम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि सम्मेलन में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार, महिला सशक्तीकरण और युवा नेतृत्व जैसे विषयों पर विशेष चर्चा होगी। संगठन महामंत्री गोपाललाल साहू ने समाजहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया।

प्रदेश महिला अध्यक्ष अनुपमा मोदी ने महिला शिक्षा, आत्मनिर्भरता और निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता बताई। राष्ट्रीय युवक कार्यकारी अध्यक्ष देवराज तेली ने युवाओं से तकनीकी शिक्षा, उद्यमिता और सामाजिक नेतृत्व में आगे आने का आह्वान किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शौकीन चंद्र राठौर ने राष्ट्रीय जनचेतना महासम्मेलन को सफल बनाने के लिए समाज के भामाशाहों से सहयोग की अपील की। राष्ट्रीय पदाधिकारी ईश्वरलाल साहू, जगन्नाथ सौलंकी तथा एडवोकेट लादूलाल तेली ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम संयोजक प्रहलाद राय दिया ने बताया कि भीलवाड़ा में आयोजित होने वाला दो दिवसीय राष्ट्रीय महासम्मेलन ऐतिहासिक होगा, जिसमें देशभर से समाज के पदाधिकारी, संत-महात्मा, जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्धजन भाग लेंगे। बैठक में छात्रावासों के विकास, प्रतिभा सम्मान, कौशल विकास, महिला सशक्तीकरण तथा संगठन विस्तार को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम का संचालन सहसंयोजक एडवोकेट कुशल साहू ने किया। बैठक में भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष कैलाशचंद्र आसरवा, युवा अध्यक्ष राजकुमार डगवाल, महिला जिलाध्यक्ष रामू देवी अग्रवाल, शहर अध्यक्ष सीमा साहू, युवा जिलाध्यक्ष राजू तेली, ग्रामीण जिलाध्यक्ष रामपाल तेली, शाहपुरा जिलाध्यक्ष गोपाल ढाकरिया सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारी, समाजसेवी एवं सैकड़ों समाजजन उपस्थित रहे।

# जीतो लेडीज विंग भीलवाड़ा का संस्कृति संगम 2.0' में शानदार प्रदर्शन, 'वस्त्र स्टोरीज़' का राष्ट्रीय खिताब जीता

## 'रंगीलो राजस्थान' की संस्कृति, वेशभूषा और विरासत की आकर्षक प्रस्तुति से निर्णायकों का जीता दिल, चेयरपर्सन नीता बाबेल सम्मानित

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

जीतो लेडीज़ विंग भीलवाड़ा ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित 'संस्कृति संगम 2.0' में अपनी रचनात्मकता, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 'वस्त्र स्टोरीज़' प्रतियोगिता का राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया। चेयरपर्सन नीता बाबेल के नेतृत्व में टीम ने राजस्थान जोन का प्रतिनिधित्व करते हुए 'रंगीलो राजस्थान' की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और पारंपरिक वेशभूषा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर भीलवाड़ा और पूरे राजस्थान का गौरव बढ़ाया। दिल्ली में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में टीम ने राजस्थान की पारंपरिक वेशभूषा, लोक संस्कृति, लोककला, खान-पान, रीति-रिवाज और सांस्कृतिक विविधता को सजीव मंचन के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रस्तुति में राजस्थान की ऐतिहासिक पहचान और सांस्कृतिक गरिमा का ऐसा समन्वय देखने को मिला, जिसने निर्णायक मंडल और उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा। टीम की प्रस्तुति में रंग-बिरंगी राजस्थानी पोशाकों, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक प्रतीकों को कलात्मक रूप से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के दौरान दर्शकों ने प्रस्तुति की सराहना करते हुए तालियों की गड़गड़ाहट से टीम का उत्साहवर्धन किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर जीतो लेडीज़ विंग भीलवाड़ा की चेयरपर्सन नीता बाबेल को विजेता टीम की ओर से पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किया गया। उन्होंने इस सफलता का श्रेय पूरी टीम के सामूहिक प्रयास, समर्पण और रचनात्मक सोच को देते हुए राजस्थान एपेक्स कन्वीनर सरिता लोढ़ा के मार्गदर्शन और प्रेरणा के प्रति आभार व्यक्त किया। नीता बाबेल ने कहा कि यह उपलब्धि केवल प्रतियोगिता में जीत नहीं, बल्कि राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय मंच पर सम्मानपूर्वक प्रस्तुत करने का गौरव है। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी जीतो लेडीज़ विंग समाज, संस्कृति और महिला सशक्तिकरण से जुड़े आयोजनों में इसी उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ भाग लेती रहेगी। इस अवसर पर रजनी सिंघवी, स्वीटी नैनावटी, नीतू सुतारिया, सुरभि चोपड़ा, खुशबू मोदी, कविता चपलोत एवं पलक सिंघवी सहित टीम की सभी सदस्य उपस्थित रहीं। उनकी इस सफलता पर भीलवाड़ा के सामाजिक एवं जैन समाज के विभिन्न संगठनों ने बधाई देते हुए इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

# भाजपा जिला पदाधिकारियों की बैठक आयोजित

## भाजपा का नवाचार - मंडल पालक और मंडल अध्यक्ष मिलकर करेंगे जिले के 39 मंडलों के 2198 बूथों को मजबूत

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

भाजपा प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार भाजपा जिला पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षों की महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा की अध्यक्षता एवं जिला महामंत्री अविनाश जीनगर, प्रहलाद त्रिपाठी के सान्निध्य में जिला कार्यालय पर आयोजित हुई। बैठक में संगठनात्मक चर्चा करते हुए माइक्रो मैनेजमेंट पर विशेष जोर दिया गया।

जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि बैठक में जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने बताया कि जिले में मंडल पालक के रूप में किया गया नवाचार मंडल को और अधिक मजबूत और सक्रिय करने का कार्य करेगा। जिले के सभी 39 मंडलों में जिला पदाधिकारियों को मंडल पालक बनाकर मंडल अध्यक्ष और पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर जिले के 2198 बूथों पर पार्टी को सशक्त बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने कहा कि जिले में फिलहाल 289 शक्ति केंद्र है जो निकट भविष्य में संगठन संरचना के तहत लगभग 600 हो जाएंगे। इस विस्तार के चलते और अधिक कार्यकर्ताओं को पार्टी में दायित्व के साथ काम करने का अवसर प्राप्त होगा।

उन्होंने संगठन में मंडल अध्यक्ष के महत्व और भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा ही वह पार्टी है जहां एक मंडल अध्यक्ष को भी विधायकी का टिकट मिल जाता है। इसका सीधा अर्थ है कि प्रदेश और केंद्र की नजरों में प्रत्येक कार्यकर्ता है और उसके कार्यों का आंकलन भी किया जा रहा है। मेवाड़ा ने मंडल अध्यक्षों से अपने अपने मंडल में शक्ति केंद्र संयोजकों, सहसंयोजकों, प्रभारियों के साथ ही बूथ मैपिंग करते हुए बूथ समितियों के गठन का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के दिशा निर्देश प्रदान किए।

इस अवसर पर कुलदीप शर्मा, गोपाल तेली, अशोक तलाईच, मंजू चेचाणी, विशाल गुरुजी, अमरसिंह चौहान, लक्ष्मण सिंह राठौड़, मांगीलाल गुर्जर, राजेंद्र बोहरा, लादूलाल जाट, आरती कोगटा, कांता शर्मा, ललिता कंवर, ललित अग्रवाल, पंकज मानसिंहका, अंकुर बोरदिया, मनोज बुलानी, शशांक बिड़ला, अनिल सिंह जादौन, भूपेंद्र सिंह बिलिया, अभिश्रुता सोलंकी, महावीर समदानी, अजय नौलखा, रागिनी गुप्ता, आकाश मलावत, महेंद्र नायक, बाबूलाल आचार्य सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

# सेवासदन पूर्व विद्यार्थियों का स्नेह मिलन 19 जुलाई को, तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

सेवासदन विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों का बहुप्रतीक्षित 'सेवासदन पूर्व विद्यार्थी स्नेह मिलन-2026' आगामी 19 जुलाई को आयोजित होगा। आयोजन को सफल एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए समितियों का गठन किया गया। बैठक में आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई तथा स्वागत, पंजीयन, मंच संचालन, भोजन, व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों को सौंपी गईं।

आयोजकों ने बताया कि स्नेह मिलन समारोह 19 जुलाई को प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक सेवासदन विद्यालय परिसर में आयोजित होगा। कार्यक्रम में विभिन्न बैचों के पूर्व विद्यार्थी अपने गुरुजनों एवं पुराने साथियों से वर्षों बाद मिलेंगे और छात्र जीवन की यादों को फिर से ताजा करेंगे।

बैठक में भूपेंद्र मोगरा, अतुल सोमानी, प्रमोद तोषनीवाल, प्रकाश सुरिया, रवि जैन, अरुण काबरा, प्रदीप बल्दवा एवं लोकेश अजमेरा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

## QUICK BITES

### डोडा चूरा का 2000 रुपये प्रति किलो मुआवजा देने की मांग, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

भीलवाड़ा फोकस @ कोटड़ी।

अफीम उत्पादक किसानों ने उपखंड अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर डोडा चूरा का 2000 रुपये प्रति किलो की दर से मुआवजा देने तथा मुआवजा मिलने तक डोडा चूरा नष्ट करने के आदेशों पर रोक लगाने की मांग की। किसानों ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

ज्ञापन में बताया गया कि भारत सरकार अफीम उत्पादक किसानों से जीवन रक्षक दवाइयों के निर्माण के लिए निर्धारित मापदंड के अनुसार अफीम खरीदती है, जबकि उससे बचा डोडा चूरा वर्ष 2016 से पहले राज्य सरकार ठेका पद्धति के तहत 125 रुपये प्रति किलो की दर से खरीदती थी। इसके बाद यह व्यवस्था बंद कर दी गई और किसानों को डोडा चूरा नष्ट करने के निर्देश दिए गए, जिससे उन्हें आर्थिक क्षति हो रही है। किसानों ने मांग की कि डोडा चूरा का वजन के अनुसार 2000 रुपये प्रति किलो मुआवजा दिया जाए। यदि यह संभव नहीं हो तो किसानों को अपने खेतों में ही डोडा चूरा जमींदोज अथवा नष्ट करने की अनुमति दी जाए तथा स्वघोषणा पत्र के आधार पर उन पर विश्वास किया जाए। किसानों का कहना है कि इससे भूमि की उर्वरता बढ़ेगी, जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा और शोषण से भी राहत मिलेगी। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि कई किसानों के कच्चे मकान होने के कारण डोडा चूरा सुरक्षित रखना कठिन होता है। कई बार यह बारिश में भीग जाता है या मवेशी खा जाते हैं, जिससे निर्धारित मापदंड के अनुसार इसका सुरक्षित भंडारण संभव नहीं हो पाता। इस दौरान अफीम आयाम प्रमुख एवं अध्यक्ष बद्रीलाल तेली, भारतीय किसान संघ तहसील अध्यक्ष संपत कुमार मालवी, किसान नेता रामकुमार जाट, अंबालाल जाट, कैलाश माली, प्रेम सिंह, रामचंद्र बलाई, जमनालाल जाट, सरवन सिंह, गोपाललाल जाट, शैतानलाल गुर्जर, भैरूलाल जाट, देवीलाल सुथार सहित बड़ी संख्या में अफीम उत्पादक किसान उपस्थित रहे।

### अंतरराष्ट्रीय रंग मल्हार-2026 में रंगों के जरिए अच्छी बारिश की कामना, 100 से अधिक कलाकारों ने दिखाई प्रतिभा

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

स्थानीय आकृति कला संस्थान एवं जवाहर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को अंतरराष्ट्रीय रंग मल्हार-2026 का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। 'इंदर राजा पानी दो, पानी दो गुड़ धानी दो' की लोकभावना पर आधारित इस अनूठे आयोजन में कलाकारों ने पारंपरिक लकड़ी के संदूकों को कैनवास बनाकर अच्छी वर्षा, सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की मंगलकामना व्यक्त की।

संस्था सचिव कैलाश पलिया ने बताया कि आयोजन में शहर के 100 से अधिक बाल, युवा एवं वरिष्ठ कलाकारों ने भाग लिया। कलाकारों ने मधुबनी, गोंड, मिनिएचर, वर्ली सहित विभिन्न भारतीय चित्र शैलियों में आकर्षक कलाकृतियों का सृजन किया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें 10 वर्ष से लेकर 90 वर्ष तक की आयु के कलाकारों ने अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान राज्य स्तरीय कला प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। वरिष्ठ चित्रकार इकबाल हुसैन ने लाइव पोर्ट्रेट डेमो प्रस्तुत किया, जबकि युवा कलाकार कैलाश पलिया ने जलरंग चित्रकला का सजीव प्रदर्शन करते हुए प्रतिभागियों को इसकी तकनीकों से अवगत कराया।

समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री जानकी लाल, हाथीभाटा आश्रम के महंत संत दास, ओएसडी रजनीश कुमार, लायन पवन पवार, लायन मधु, वरिष्ठ मूर्तिकार गोवर्धन सिंह पवार, वरिष्ठ चित्रकार मंजू मिश्रा, डॉ. मनीष रंजन, कथक गुरु रमा पच्चीसिया, अंकुश पटवा, मुकेश तथा वरिष्ठ चित्रकार इकबाल हुसैन ने प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया।

आयोजन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 25 कलाकारों को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का समापन कला, संस्कृति एवं लोक परंपराओं के संरक्षण के संकल्प के साथ हुआ।

### बंद पड़ी रोडवेज बस सेवा शुरू कराने की मांग, सांसद को सौंपा अनुशंसा पत्र

भीलवाड़ा फोकस @ बनेड़ा।

**परमेश्वर।** ग्राम पंचायत बल्दरखा के प्रशासक श्यामलाल शर्मा ने क्षेत्र में लंबे समय से बंद पड़ी रोडवेज बस सेवा को पुनः शुरू कराने की मांग को लेकर सांसद दामोदर अग्रवाल की जनसुनवाई में अनुशंसा पत्र सौंपा। उन्होंने बताया कि बस सेवा बंद होने से बल्दरखा सहित आसपास के गांवों के हजारों ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अनुशंसा पत्र में बताया गया कि पूर्व में इस मार्ग पर नियमित रोडवेज बस का संचालन होता था, जिससे विद्यार्थी, किसान, कर्मचारी, व्यापारी, महिलाएं और बुजुर्ग आसानी से भीलवाड़ा सहित अन्य स्थानों तक आवागमन कर पाते थे। बस सेवा बंद होने के बाद लोगों को निजी वाहनों एवं महंगे परिवहन साधनों पर निर्भर रहना पड़ रहा है, जिससे समय और आर्थिक दोनों तरह का अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है।

शर्मा ने बताया कि ग्रामीण लंबे समय से बस सेवा बहाल करने की मांग कर रहे हैं। रोडवेज बस का संचालन शुरू होने से विद्यार्थियों को स्कूल-कॉलेज आने-जाने, मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा प्राप्त करने तथा किसानों और व्यापारियों को अपने कार्यों के लिए बेहतर परिवहन सुविधा मिल सकेगी।

जनसुनवाई के दौरान सांसद दामोदर अग्रवाल ने मांग को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक कार्रवाई कराने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनसमस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है और आमजन को बेहतर परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।